

आद्य अहम् पुं. (तत्.) मनो. मनुष्य के अवचेतन मन में, प्राचीनतम काल की स्मृतियाँ, जो स्वप्नों में अथवा मानसिक रोगों के लक्षणों या अचेतन आवेगों में प्रकट होती हैं।

आद्य इतिहास पुं. (तत्.) प्रागैतिहासिक काल तथा ऐतिहासिक काल के बीच की कड़ी।

आद्यक्षरित वि. (आदि+अक्षरित) (तत्.) आद्यक्षरों से हस्ताक्षरित।

आद्यप्ररूप पुं. (तत्.) (आद्य+प्ररूप) पाश्चात्य दर्शन के आधार पर, दृश्य जगत की अस्तित्वशील वस्तुएँ, अतीन्द्रिय जगत के मूल प्रत्ययों का अनुकरण है, यही मूल प्रत्यय आद्यप्ररूप कहलाते हैं, मनोवैज्ञानिकों के मतानुसार आस्थाओं और संस्कारों का अचेतन आदिम रूप आद्यप्ररूप है।

आद्या पुं. (तत्.) 1. प्रथम (शक्ति), प्रधान (शक्ति) 2. दुर्गा।

आद्योपांत क्रि.वि. [आद्य+उपांत] (तत्.) शुरू से आखिर तक आदि से अंत तक प्रयो. मैंने यह पुस्तक आद्योपांत पढ़ ली है।

आध वि. (तद्.) दे. आधा।

आधमर्ण्य पुं. (तत्.) अधमर्ण अर्थात् कर्जदार होने की स्थिति, कर्जदारी, ऋणग्रस्तता।

आधवन पुं. (तत्.) हिलाना, कंपाना, क्षुब्ध करना।

आधा वि. (तद्.) किसी वस्तु के दो बराबर भागों में से एक भाग।

आधा-आधा वि. (तद्.) दो बराबर भागों में विभक्त, कार्य अथवा पदार्थ के दो, यथा संभव, समान भाग।

आधाता पुं. (तत्.) गिरवी रखने वाला, बंधक रखने वाला, बंधककर्ता।

आधा-तीहा वि. (देश.) 1. लगभग आधा या तिहाई 2. बहुत थोड़ा।

आधात्री स्त्री. (तत्.) 1. इंजी. वह ढाँचा जिसमें कोई वस्तु ढलती है 2. (i) वह वातावरण जिसमें कोई वस्तु विकसित होती है (ii)

गर्भाशय 3. भू.वि. वह चट्टान या शिला जिसमें रत्न या जीवाश्म पाया जाता है।

आधान पुं. (तत्.) 1. रखना, स्थापित करना 2. भीतर डालना 3. (गर्भ) स्थापन 4. गिरवी, बंधक, अमानत, धरोहर, निक्षेप 5. समीपता 6. पात्र, डिब्बा आदि।

आधानवती वि. (तत्.) [आधान+वती] गर्भवती, गर्भिणी।

आधानिक पुं. (तत्.) गर्भाधान के लिए किया जाने वाला संस्कार।

आधा-परधा पुं. (देश.) 1. आधा भाग 2. थोड़ा-थोड़ा, मात्रा की अभिव्यक्ति।

आधायक वि. (तत्.) 1. आधाता, गिरवी रखने वाला 2. अंतःस्थापक जैसे- 'आधायक वाक्य' 3. धारण करने वाला, प्रस्तुत करने वाला जैसे- अलंकार काव्य का उत्कर्षाधायक तत्त्व है।

आधार पुं. (तत्.) 1. आश्रय, सहारा 2. नींव, बुनियाद, जिस पर दूसरी वस्तु टिकी हो 3. व्या. अधिकरण कारक 4. योग. मूलाधार चक्र 5. थाली, पात्र 6. सहायता, संरक्षण 7. गणि. एक से बड़ी वह वास्तविक संख्या जिसका प्रयोग स्थानात्मक पद्धति में वास्तविक संख्याओं को निरूपित करने में किया जाता है।

आधार-अवधि स्त्री. (तत्.) अर्थ. वह काल खंड जिसके आधार पर सूचकांक की गणना की जाती है।

आधार-आधेय-संबंध पुं. (तत्.) जीव. दो वस्तुओं का ऐसा संबंध, जिसमें एक वस्तु आधार और दूसरी उस पर आश्रित होती है, आश्रय/आश्रयी संबंध।

आधारक पुं. (तत्.) 1. किसी ढाँचे का आधार 2. नींव।

आधारकोण पुं. (तत्.) ज्या. त्रिभुज के आधार के दोनों सिरों पर बने कोण।